195. राणा सांगा के उस सहयोगी का नाम बताइये जिसने खानवा युद्ध के नाजुक पड़ाव पर अपना समर्थन वापस ले लिया।

(a) सल्हदी तंवर (b) मेदनी राय
(c) राव गंगा (d) उदय सिंह

कनिष्ठ अनुदेशक (फिटर) भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – खानवा का युद्ध (1527 ई.) बाबर एवं राणा सांगा के मध्य हुआ था। कर्नल जेम्स टॉड के अनुसार रायसेन के शासक सल्हदी तंवर खानवा युद्ध के समय अपनी विशाल सेना के साथ बाबर से जा मिला।

196.खानवा में बाबर के विरुद्ध सांगा की सहायता के लिए किसके नेतृत्व में मारवाड़ी सेना भेजी गयी थी?

(a) राव गांगा (b) मालदेव
(c) बिरम देव (d) सुजा

उत्तर – (b)

RPSC RAS/RTS 2008

व्याख्या – 1527 में हुए खानवा के युद्ध में बाबर के विरुद्ध सांगा की सहायता के लिए मालदेव के नेतृत्व में मारवाड़ी सेना भेजी गयी थी।

197. महाराणा सांगा के मृत शरीर का दाह संस्कार किस स्थान पर किया गया?

(a) मांडलगढ़ (b) कुम्भलगढ़
(c) खानवा (d) बसवा

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत) (डिप्लोमाधारक)-2020

Ans. (a) – महाराणा सांगा (संग्राम सिंह) मेवाड़ के राजपूत शासक थे। इन्होंने 1509 ई. से 1528 ई. के बीच शासन किया था। अमरकाव्य के अनुसार इनके मृत शरीर का दाह संस्कार मांडलगढ़ नामक स्थान पर किया गया था। मुगल सम्राट बाबर ने अपनी आत्मकथा में उन्हें भारत का सबसे महान राजा बताया है।

198. निम्न में से कौन से राजपूत सरदार खानवा के युद्ध में बाबर के विरूद्ध राणा सांगा के पक्ष में लड़े थे?

(i) राजा भारमल (ईडर)
(ii) वीरमदेव मेड़तिया
(iii) राव बीका
(iv) राव लूणकर्ण

निम्नांकित दिये गये कूटों का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए :

कूट :

(a) (i) एवं (ii) (b) (ii), (iii) एवं (iv)
(c) (i), (ii) एवं (iv) (d) (i), (ii), (iii)एवं(iv)

RPSC School Lecturer-26-04-2017

Ans. (a) : 1527 ई. में 'खानवा युद्ध' में राजपूत सरदार राजा भारमल (ईडर) और वीरमदेव मेड़तिया ने बाबर के विरूद्ध राणा सांगा के पक्ष में युद्ध किए थे।

● राजपूत सरदार झाजा अज्या ने खानवा के युद्ध में राणा सांगा के घायल हो जाने के बाद उनका राज चिन्ह धारण करके युद्ध जारी रखा था। यद्यपि खानवा के युद्ध में राणा सांगा, बाबर से पराजित हो गये थे।

199. कतिपय राजपूत शासकों की सूची नीचे दी गई है–

1. राणा सांगा 2. चन्द्रसेन
3. मानसिंह 4. रायसिंह

इनमें से उन दो का चयन करें जिन्होंने मुगलों का सहयोग नहीं किया–

(a) 3 और 4 (b) 1 और 2
(c) 2 और 3 (d) 1 और 4

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021

Ans. (b) : मेवाड़ के शासक राणा सांगा एवं मारवाड़ के शासक राव चन्द्रसेन ने मुगलों का सहयोग नहीं किया। मारवाड़ के शासक राव चन्द्रसेन ने कभी अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। राव चन्द्रसेन को 'प्रताप का अग्रगामी' कहा जाता है। बीकानेर शासक रावसिंह ने मुगलों को जीवनपर्यन्त सेवा की।

200. निम्नलिखित में से मेवाड़ के किस शासक को शिशु अवस्था में पन्ना धाय ने अपने पुत्र का बलिदान देकर बचाया?

(a) महाराणा प्रताप (b) राणा कुम्भा
(c) महाराणा उदयसिंह (d) महाराणा मोकल

कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) परीक्षा-2020
कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (अस्त्रक्षेप) भर्ती परीक्षा-2019
Investigator Exam 21.08.2016
RPSC Librabrian Grade-III 11.9.2022

Ans. (c) – विक्रमादित्य की हत्या कर दासी पुत्र बनवीर ने 1536 ई. में मेवाड़ का शासन संभाला। बनवीर ने राणा सांगा के पुत्र उदय सिंह को भी मारने का प्रयास किया लेकिन स्वामिभक्त पन्नाधाय ने अपने पुत्र का बलिदान कर उदय सिंह को कुम्भलगढ़ पहुँचा दिया। बाद में उदय सिंह मेवाड़ का शासक बना।

201. अक्टूबर, 1567 में अकबर द्वारा चित्तौड़ दुर्ग के घेराव के समय मेवाड़ का राणा था–

(a) कुम्भा (b) सांगा
(c) उदयसिंह (d) प्रताप

Pradhyapak School Siksha 2011

Ans. (c) : अक्टूबर, 1567 में अकबर द्वारा चित्तौड़ दुर्ग के घेराव के समय मेवाड़ के शासक महाराणा उदयसिंह थे। महाराणा उदय सिंह (1537-1572) मेवाड़ राजवंश के 12वें शासक थे।

202. 'कीका' उपनाम था-

(a) राणा प्रताप का (b) राणा सांगा का
(c) राणा कुम्भा का (d) राणा उदयसिंह का

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (a) – उदयसिंह के पुत्र महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई, 1540 को कुंभलगढ़ में हुआ था। प्रताप को पहाड़ी भागों में 'कीका' कहा जाता था जो स्थानीय भाषा में छोटे बच्चे का सूचक है।

203. 'हल्दीघाटी का युद्ध' लड़ा गया था।

(a) 1570 ई. (b) 1572 ई.
(c) 1576 ई. (d) 1580 ई.

कृषि पर्यवेक्षक-2021
Agriculture Supervisor - 2021
पशुधन सहायक भर्ती परीक्षा- 2018
Junior Engineer Non TSP 2015

Ans. (c) : जून, 1576 को राणा प्रताप तथा मुगल सेनापति मानसिंह व आसफ खाँ के बीच हल्दीघाटी का युद्ध हुआ जिसमें राणा प्रताप की पराजय हुई। हल्दी घाटी युद्ध को 'खमनौर का युद्ध या गोगुन्द का युद्ध भी कहा जाता है।